nwda.gov.in

प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान की लहर

नागरिकों में भी उत्साह, कर रहे श्रमदान, बालाघाट जिले में बने 561 खेत तालाब

जल गंगा संवर्धन अभियान का असर प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। बालाघाट जिले ने 561 खेत तालाब बनाकर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। सीधी जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए राज्य में चौथा स्थान हासिल किया है। इस जिले में अमृत सरोवरों और खेत तालाबों के निर्माण में तेजी आई है। शहडोल जिले के भुरसी गांव में ग्रामीणों ने मिलकर अखड़ार नदी को साफ किया, जिससे नदी में फिर से जलधारा प्रवाहित होने लगी है। उमरिया जिले में भडारी नदी में जल उपलब्धता बढ़ी है।

डिंडोरी जिले में छात्रों ने दिया महत्वपूर्ण योगदान

डिंडोरी जिले में छात्रों ने सिलगी नदी को साफ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उज्जैन में क्षिप्रा नदी के घाटों की सफाई का कार्य लगातार जारी है, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी श्रमदान किया है। इन सभी प्रयासों से स्पष्ट है कि प्रदेश के हर कोने में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और लोग सक्रिय रूप से इस अभियान में भाग ले रहे हैं।

श्योपुर और राजगढ़ में तालाब जीर्णोद्धार के लिए कलश यात्राएं

श्योपुर और राजगढ़ जिलों में भी तालाबों के जीर्णोद्धार के लिए कलश यात्राएं निकाली गई और श्रमदान किया गया। खंडवा जिले में नर्मदा नदी के तट पर सफाई अभियान चलाया गया।

मंदसौर के पिपलिया मंडी में निकाली गई कलश यात्रा

मंदसौर जिले के पिपलिया मंडी अयोध्या बस्ती में जन अभियान परिषद ने कलश यात्रा निकालकर जल संरक्षण का संदेश दिया। पिपलिया मंडी के तालाब में कलश यात्रा के साथ ही श्रमदान किया गया।

उमरिया में विवाह के निमंत्रण के साथ भेजा जल संरक्षण का संदेश

उमरिया जिले के विकासखंड मानपुर के ग्राम बचहा में नवाचार करते हुए विवाह के निमंत्रण के साथ जल संरक्षण का संदेश भेजा जा रहा है। ग्राम बचहा के भूतपर्व सरपंच कमला प्रसाद जायसवाल ने अपनी बेटी सुधा जायसवाल के विवाह के निमंत्रण में 'जल है तो कल है, लोग प्रेम के बिना रह सकते है, मगर पानी के बिना नहीं' का संदेश दिया।

उमरिया में सुंदरदादर घाट में 180 बोरियों का बोरी बंधान किया गया

उमरिया जिले में अपनी मिट्टी अपना जल को संरक्षित करने हेतु जन सहयोग के माध्यम से बोरी बंधान के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। सुंदरदादर के आमा घाट मे 180 बोरियो का बोरी बंधान किया गया।

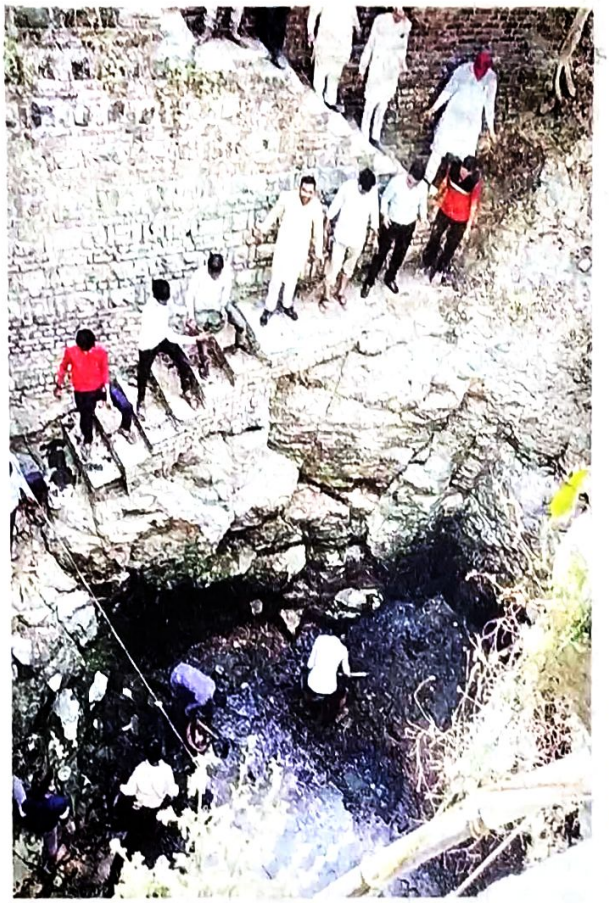

चयनित जिलों में की गई प्रगति और उपलब्धियां

जिले का नाम	प्रमुख उपलब्धि
बालाघाट	561 खेत तालाबों का निर्माण
सीधी	जल संरक्षण में प्रदेश में चौथा स्थान
डिंडोरी	सिलगी नदी की सफाई
शहडोल	अखड़ार नदी का पुनरुद्धार
सिवनी	अमृत सरोवर निर्माण में सर्वश्रेष्ठ कार्य

बैतूल में ताप्ती नदी पर चलाया स्वच्छता अभियान

बैतूल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में लगातार गतिविधियां जारी है। लोगों को बताया जा रहा है कि वर्षा जल संचयन को अनिवार्य बनाना होगा। चुनौती नहीं, बल्कि हर नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। बैतूल जिले की ताप्ती नदी के घाटों की सफाई की गई जिसमें सामाजिक संस्थाओं एवं जनभागीदारी द्वारा जल में फैली गंदगी, प्लास्टिक की बोतलें, कपड़े, पन्नियां, थर्माकोल इत्यादि को समेट कर उचित निस्तारण किया गया। कार्यक्रम में मानव श्रृंखला बनाकर जल संरक्षण का संकल्प लिया गया।

राजगढ़ में जल विरासतों को सहेजने का अभियान

राजगढ़ जिले की राजमहल एवं पुरानी बावड़ी अपने समृद्ध इतिहास को बयां करती हैं। जल संवर्धन अभियान अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा इन ऐतिहासिक बावड़ियों की साफ–सफाई कर इनके जीर्णोद्धार का कार्य हाथ में लिया गया है। जीर्णोद्धार के बाद ये बावड़ियां अपने समृद्ध इतिहास की जीवंत तस्वीर बन सकेंगी। जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है।

राज्य पुरातत्व विभाग से सूचीकृत मोरपीपली की बावड़ी, माचलपुर की चोर बावड़ी, हाड़ीरानी की बावड़ी एवं सेमली जागीर की बावड़ी, इसके अलावा नरसिंहगढ़ स्थित उम्मेदा बाई की बावड़ी एवं छतरी सहित राजगढ़ के राजमहल स्थित बावड़ी के जीर्णोद्धार का कार्य भी किया जा रहा है।

जिले के नगरीय क्षेत्रों में जल संवर्धन अभियान अंतर्गत प्याऊ की स्थापना भी की जा रही है। इसमें प्रत्येक नगरीय क्षेत्र के हर वार्ड में एवं सार्वजनिक स्थानों पर 300 प्याऊ स्थापित करने का कार्यक्रम है। नदियों के कटाव को रोकने के लिए नगरीय क्षेत्रों में 5 एकड़ में हरित क्षेत्र भी जल संवर्धन अभियान के अंतर्गत तैयार किया जा रहा हैं। जिले में नगरीय क्षेत्रों में शासकीय एवं बड़े भवनों की रैन वॉटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं के सुधार का कार्य भी हाथ में लिया गया है, ताकि बरसात के सीजन में इन संरचनाओं से भूमिगत जलस्तर में वृद्धि हो सके। आमजन में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता लाने के लिए सभी नगरीय क्षेत्रों में नल कनेक्शनों में आवश्यक रूप से टोंटी लगाने का कार्य भी अभियान के अंतर्गत किया जा रहा है। प्रत्येक नगरीय क्षेत्र में बाग–बगीचों का भी उन्नयन किया जा रहा है। यह बाग–बगीचे नगरीय वन के रूप में विकसित किये जाएंगे। राजगढ़ जिले में 734 कूपों पर काम शुरू कर दिया गया है।

विभाग द्वारा जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने पर जोर दिया गया। इसी क्रम में भारत सरकार के MY Bharat पोर्टल में जिले के सबसे अधिक युवाओं का रजिस्ट्रेशन कराया गया। जिनका पोर्टल पर फोटोग्राफ अपलोड है।

जिले में कुल 68 नवीन तालाब का स्थल चयन कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है। राजगढ़ जिले में 140 ग्राम पंचायतों में प्रभात फेरियां, जागरूकता रैली, ग्राम सभाएं एवं चौपाल तथा नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जा चुका है। इसी तरह जन सहभागिता से 64 ग्राम पंचायतों में 04 बोरी बंधान/चैक डेम, 43 सोख्ता गड्ढों तथा 62 अन्य जल संरचनाओं का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही 158 ग्राम पंचायतों में नदियों, तालाबों एवं कुओं बावड़ियों की साफ–सफाई का कार्य किया गया है।

श्योपुर में कदवाल नदी पर किया गया श्रमदान

श्योपुर जिले में जल गंगा सवंर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान कदवाल नदी गुप्तेश्वर महादेव मंदिर घाट पर नागरिकों द्वारा स्वच्छता श्रमदान किया गया और नदी के गहरीकरण कार्य की शुरूआत की गई।

इसी के साथ 30 लाख रूपये लागत की बाउन्ड्री वॉल निर्माण कार्य के लिए भूमि–पूजन किया गया। नगरपालिका परिषद श्योपुर एवं ग्राम पंचायत बगवाज के तत्वाधान में गुप्तेश्वर महादेव मंदिर कदवाल नदी पर आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गुप्तेश्वर मंदिर के घाट पर साफ–सफाई की गई।

रीवा में भेड़ौरा नदी के पुनर्जीवन के लिए उठे सैकड़ों हाथ

मध्यप्रदेश के रीवा जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत इटौरा में भेड़ौरा नदी तथा उसके घाटों की साफ–सफाई की गई।

सीईओ जिला पंचायत तथा उपस्थित श्रमदानी नागरिकों ने मिलकर नदी एवं घाटों की सफाई कर अभियान चलाया।

जन संवाद में बताया गया कि जल के सभी स्रोत जीवन सभ्यता के लिए अनिवार्य हैं। इनका संरक्षण करना समाज की जिम्मेदारी है। जल गंगा संवर्धन अभियान में नदियों, तालाबों, बावड़ियों, पोखरों व अन्य जल संरचनाओं का संरक्षण व संवर्धन किया जा रहा है।